Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि-II - 013

Time : 3 Hours | Maximum Marks : 200

हिन्दी - भाग अ, भाग ब, भाग स
Hindi - Part (A, B, C)

Paper - IV

		MARKS	
Name :	Part	Attempted Questions	Marks Obtained
Enroll. No.:			
Date of Birth :	Part - A	30	46.5
Medium : Hindi	Part - B	08	39.0
E-mail :	Part - C	01	12.0
Exam Date :	Total	39	97.5
Invigilator's Signature :			
ECN: / RCN:			

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
3. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
   Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.
4. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
   Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	**DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?**				
a.	**Answer Relevancy**				
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · Key Terms/ Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. **Association with the Current Affairs** and **use of examples** to explain the concept and idea				
2.	**HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?**				
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion				
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps				
c.	**Language & Grammar**				
d.	**Word limit**				

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव

1. मात्रा संबधी अशुद्धियां न करें।
2. संक्षिप्तीकरण की निर्धारित शब्द सीमा का विशेष ध्यान रखें।
3. व्याकरण भाग पर विशेष ध्यान दें।
4. निबंध में आवश्यक quotation को सम्मिलित करें।
5. अच्छा प्रयास है।
6. निरंतरता बनाए रखें।

Best of Luck

भाग-अ

1. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए:- $4 \times ½ = 2$

(i) प्राप्ति + इच्छा = प्राप्तीच्छा

(ii) राजन् + ऋषि = राजर्षि

(iii) विधै + अक = विधायक

(iv) विद्वत् + वर्ग = विद्वत्वर्ग विद्वद्वर्ग

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए:- $4 \times ½ = 2$

(i) संश्लेषण = सम् + लेषण सम + श्लेषण

(ii) अकिञ्चन = अकिम् + चन अकिम् + चन

(iii) विराडायोजन = विराट् + आयोजन

(iv) धूमाच्छादित = धूम + आच्छादित

3. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए:- $4 \times ½ = 2$

(i) मूल + छिन्न = मूलाछिन्न मूलच्छिन्न

(ii) सत् + उद्योग = सदुद्योग

(iii) परि + अवेक्षक = पर्यवेक्षक

(iv) ज्योतिः + आदित्य = ज्योतिरादित्य ज्योतिरादित्य

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए:- $4 \times ½ = 2$

(i) अहर्निश = अहः + निश अहन् + निश

(ii) स्वेच्छाचार = स्वेच्छा + आचार

(iii) सौभाग्याकांक्षिणी = सौभाग्य + आकांक्षिणी

(iv) वपुष्मान = वपुः + मान

5. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए:- $4\times\frac{1}{2}=2$

(i) विद्युद्ध्वज = विद्युत् + ध्वज

(ii) प्रौद्योगिकी = प्र + औद्योगिकी

(iii) हुतासन = हुत + आसन हुत + असन

(iv) प्रातस्स्मरण = प्रातः + स्मरण

$1\frac{1}{2}$

6. निम्नांकित उपसर्गों के संयोग से दो-दो शब्द बनाइये:- $4\times\frac{1}{2}=2$

(i) पुनर् = पुनर्मिलन, पुनर्वास

(ii) अध: = अधोगम, अधोपतन अधःशय, अधःकाय

(iii) वि = विशेष, विराग, विकिरण

(iv) प्रति = प्रलोक, प्रतिनियुक्ति, प्रतिकार

$1\frac{1}{2}$

7. निम्नांकित शब्दों में से उपसर्ग पृथक् कीजिए- $4\times\frac{1}{2}=2$

(i) आनुषंगिक = अनु

(ii) नैराश्य = निर्

(iii) वैधव्य = वैध वि

(iv) अभ्युत्थान = अभि

$1\frac{1}{2}$

8. निम्नांकित उपसर्गों के संयोग से दो-दो शब्द बनाइये:- $4\times\frac{1}{2}=2$

(i) दु = दुराहा, दुनाली, दुधारु

(ii) उ = उरग, उगम, उठाना, उजड़ना

(iii) स्व = स्वार्थ, स्वजन, स्वभाव

(iv) अमा = अमावस्या, अमाशय, अमात्य

$1\frac{1}{4}$

9. निम्नांकित शब्दों में से उपसर्ग पृथक् कीजिए- 4×½ = 2

(i) उन्नासी = 'उत' अन

(ii) प्राक्कथन = प्राक्

(iii) लाचार = ला

(iv) सहित = स

10. निम्नलिखित प्रत्ययों के संयोग से दो-दो शब्द बनाइये:- 4×½ = 2

(i) इत = मुदित, गर्वित, विचलित

(ii) आड़ी = खिलाड़ी, अनाड़ी

(iii) इष्णु = सहिष्णु, गतिष्णु, चलिष्णु

(iv) हरा = इकहरा, सुनहरा

11. निम्नांकित शब्दों में से प्रत्यय पृथक् कीजिए- 4×½ = 2

(i) हरीतिमा = 'इमा'

(ii) औद्योगिकी = 'इकी' इक

(iii) मनसिज = 'इज' ज

(iv) कब्रिस्तान = 'स्थान' इस्तान

12. निम्नलिखित प्रत्ययों के संयोग से दो-दो शब्द बनाइये:- 4×½ = 2

(i) इश = फरमाइश, अजमाइश, आजमाइश

(ii) ईन = मालिन, सौचिन, रंगीन, नमकीन, कुलीन

(iii) कर = उपकर, आमकर, हितकर, भयंकर

(iv) ड़ा = चमड़ा, लंगड़ा, टुकड़ा

13. निम्नांकित शब्दों में से प्रत्यय पृथक् कीजिए- 4×½ = 2

(i) तेलंगाना = 'आना'

(ii) आरण्यक = 'अक' अक

(iii) लड़का = 'आ'

(iv) ध्यातव्य = 'य' तव्य

1

14. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 4×½ = 2

(i) तिरोभाव = तिरोभूत आविर्भाव

(ii) अंबर = अवनि

(iii) अर्वाचीन = प्राचीन

(iv) सदय = असत क्रूर

1

15. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 4×½ = 2

(i) आह्लाद = विषाद

(ii) अलम् = विलम्ब ईषत्

(iii) पराभव = स्वभव विभव

(iv) मसृण = जटिल रूक्ष

$\frac{1}{2}$

16. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 4×½ = 2

(i) सुघड़ = कमजोर फूहड़

(ii) विश्लिष्ट = संश्लिष्ट

(iii) क्षणिक = शाश्वत

(iv) आवाहन = प्रत्याहन विसर्जन

1

17. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 4×½ = 2

(i) शठ = अशठ सज्जन

(ii) ह्रास = रुदन वृद्धि

(iii) ज्योत्स्ना = अँधेरा, तमिस्त्रा

(iv) स्थापन = विस्थापन उन्मूलन

0

18. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पयार्यवाची लिखिए:- 4×1 = 4

(i) अश्रु = आँसू, नेत्रनीर

(ii) खान = खदान, आगार, भण्डार, संग्रह

(iii) क्षणभंगुर = क्षणिक, अल्पजीवी,

(iv) बेशुमार = अत्यधिक, बहुत, असीम

2½

19. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पयार्यवाची लिखिए:- 4×1 = 4

(i) क्षीर = दुध, दुग्ध गोरस

(ii) कूज = आवाज, ध्वनि

(iii) महीधर = पहाड़, शैल

(iv) अरुणोदय = सूर्य, भास्कर प्रातः, उषा, सुबह

½

20. निम्नांकित शब्द-युग्मों का अर्थ भेद लिखिए:- 4×1 = 4

(i) खरा-खर्रा = विशुद्ध - लम्बा चिट्ठा

(ii) स्वजन-श्वजन = अपने लोग - कुत्ता

(iii) शांति-श्रांति = स्थिरता - थकावट

(iv) हरिण-हरिण्य = मृग - सोना

1

21. **निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अर्थ भेद लिखिए:-** 4×1 = 4

(i) सागर-साग़र = जलाशय - समुद्र - शराब का प्याला

(ii) षष्टि-षष्ठी = एक संख्या - राग विशेष 60 वर्ष - छठी

(iii) पावस-पायस = वर्षा - खीर

(iv) प्रत्युपकार-प्रत्यपकार = उपकार के बदले उपकार - अपकार के बदले अपकार

22. **निम्नांकित वाक्यांशों के लिए सार्थक शब्द लिखिए:-** 4×1 = 4

(i) किन्हीं घटनाओं का कालक्रम से किया गया यथातथ्य वर्णन =

इतिवृत्त इतिवृत्त

(ii) शीघ्रता का अभाव =

अत्वरा

(iii) घर के सबसे ऊपर के खण्ड की कोठरी =

अटारी

(iv) मोक्ष की इच्छा रखने वाला =

मुमुक्षु

23. **निम्नांकित वाक्यांशों के लिए सार्थक शब्द लिखिए:-** 4×1 = 4

(i) सुख और दुःख में समान रहने वाला =

समप्रज्ञात मनस्वी

(ii) किसी कार्य में लीन/लगा हुआ =

तल्लीन व्यापृत

(iii) जो खाना सदैव मुफ्त में दिया जाता है =

सदावर्त

(iv) जिस शब्द के एक से अधिक अर्थ हो =

अनेकार्थक श्लिष्ट / श्लेष

8×1 = 8

24. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए-

(i) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखो।

किसी दो पर टिप्पणी लिखो। किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखो।

(ii) मौर्यकालीन समय में लोग सुखी थे।

मौर्यकाल में लोग सुखी थे।

6

(iii) आपने बड़ी ऊँची कोटि की कहानी सुनाई।

आपने उच्च कोटि की कहानी सुनाई।

(iv) उसने हमारे नाक में दम कर दिया।

उसने हमारी नाक में दम कर दिया।

(v) उसने मेरे को खाना खिलाया।

उसने मुझे खाना खिलाया।

(vi) वह सारी रातभर जागता रहा।

वह रातभर जागता रहा।

(vii) उज्जवल चरित्र के लिए मानसिक दृढ़ता आवश्यक है।

उज्ज्वल चरित्र के लिए मानसिक दृढ़ता आवश्यक है।

(viii) तेरी बात सुनते-सुनते कान पक गये।

तेरी बातें सुनते-सुनते कान पक गये। ✗

तुम्हारी

25. निम्नांकित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए:- 4×1 = 4

(i) आल्हाद = आह्लाद

(ii) मिप्टान = मिष्टान्न

(iii) केलाश = कैलास

(iv) प्रमाणिक = प्रामाणिक

4

26. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए:- 4×1 = 4

(i) प्रत्युत् = प्रत्युत

(ii) चन्द्रमोली = चन्द्रमौलि

(iii) किंववंदति = किवम्दंति किंवदंती

(iv) प्रत्यवर्तन = प्रत्यवर्तन प्रत्यावर्तन

1

27. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए:- 4×2 = 8

(i) तीन तेरह करना - छिन्न - भिन्न करना।

अर्थ :- इधर - उधर की बात करना।

वाक्य :- अध्यापक ने जब राम से सवाल किया तो राम तीन तेरह करने लग गया क्योंकि उसे उत्तर मालूम न था।

0

(ii) शैतान के कान कतरना - अत्यधिक शैतानी करना।

अर्थ :- चतुरता पूर्ण कार्य करना।

वाक्य :- राम इतना बुद्धिमान है कि काम पड़ने पर वह शैतान के कान आसानी से कतर सकता है।

0

(iii) जहाज का काग होना - एकमात्र ठिकाना

अर्थ :- निश्चित स्थान से होना।

वाक्य :- सरकारी नौकरी लगने के बाद प्रायः लोग जहाज का काग बन जाते है।

1 1/2

(iv) बासी कढ़ी में उबाल आना → उचित समय बीत जाने पर इच्छा जागना।

अर्थ :- बुढ़ापे में सक्रिय काम करना।

वाक्य :- राम के दादा 90 वर्ष के है तथा बिस्तर पर ही रहते है परन्तु जेल का नाम सुन उठ खड़े होते है ये तो वही बात हुई बासी कढ़ी में उबाल आना।

1 1/2

28. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए:- 4×2 = 8

(i) आई तो रोज़ी नहीं तो रोजा- आया तो खाया नहीं तो भूखे।

अर्थ :- प्रतिदिन मेहनत कर जीवन यापन करना।

वाक्य :- मजदूरों को प्रतिदिन काम मिलने में कठिनाई होती है उनके लिए तो जीवन आई तो रोजी नहीं तो रोजा जैसा ही होता है।

2

(ii) खेती, खसम लेती है-

(iii) डायन को दामाद प्यारा-

अर्थ :- सभी को अपने लोगों की चिंता होती है।

वाक्य :- कमला ने सभी दुकानवालों से उधार ले रखा है सिवाय उनके रिश्तेदारों की दुकान के, सही ही कहा है डायन को दामाद प्यारा।

2

(iv) लेना एक न देना दो-

अर्थ :- किसी से कोई मतलब न रखना।

2

वाक्य :- राम बेवजह किसी से बात नहीं करता इसका सिद्धांत है लेना एक न देना दो।

29. निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी पारिभाषिक लिखिए- 5×1 = 5

(i) ABATE – कम करना
समाप्त करना, कम करना

(ii) NOURISH – बढ़ाना
भरण-पोषण करना

(iii) QUALIFIED SUPPORT – सशर्त-समर्थन

(iv) REPUGNANT – विरुद्ध

1

(v) CERTIFY – प्रामाणिक / प्रमाणित करना

30. निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी पारिभाषिक लिखिए- 5×1 = 5

(i) OFFICIATING –

स्थानापन्न

(ii) STIPEND –

वृति वजीफा, छात्रवृति

(iii) UNTENABLE –

असमर्थनीय

(iv) CASUAL DRESS –

अनौपचारिक वस्त्र

(v) DEARNESS RELIEF –

महंगाई राहत

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः!!

भाग-ब

1. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए। अंक-10

ध्यान कर्म का निषेध नहीं है, अपितु पूर्ण और शुद्ध कर्म का आधार है। ध्यान को ठीक से न समझने वाले लोग ही ध्यान को कर्म का निषेध समझ बैठते हैं। ध्यान और कर्म वैसे ही हैं, जैसे रस्सी का कुएँ के भीतर जाना और बाहर आना या हृदय का सिकुड़ना और फैलना। ध्यान स्वयं को जानने का साधन है और कर्म स्वयं को बाँटने का। स्वयं को जानना आत्म-ज्ञान है और स्वयं को बाँटना प्रेम है। आत्म-ज्ञान से बुद्धि को ठीक निर्णय देने के लिए सत्य का आधार उपलब्ध होता है तो प्रेम से हृदय का विकास सम्भव हो पाता है, व्यक्तित्व की अखंडता और एकता के लिए बुद्धि और हृदय दोनों का समुचित विकास आवश्यक है। ध्यान का लक्ष्य विरोधात्मक वृत्तियों का समन्वय करके अंतर को प्रकाशित करना है और कर्म उस अन्तः ज्योति से बहने वाली करुणा और आनंद है।

ध्यान व कर्म

5½

ध्यान पूर्ण व कर्म का आधार है। दोनों विरोधाभास से लेकर एक-दूसरे के पूरक है। ध्यान आत्मसात व कर्म स्वयं को बाँटने का साधन है। व्यक्तित्व के विकास हेतु बुद्धि व हृदय का विकास आवश्यक है। ध्यान समन्वय व कर्म सुखप्राप्ति हेतु अनिवार्य है।

→ मूल पाठ के केन्द्रीय भाव को व्यक्त करने वाले शब्दों का चयन करें।

→ सरल एवं अधिक अर्थव्यंजक शब्दों का चयन करें।

2. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए। अंक-10

"आज देश स्वतंत्र है। हमें अपनी शक्ति की वृद्धि करनी है, जिससे हमारी नवीन स्वतंत्रता की रक्षा हो सके। आए दिन ऐसे संकट हमको चुनौती देते रहते हैं जिनसे निपटने के लिए एक शक्तिशाली सेना की आवश्यकता है। यदि विद्यालयों में ही देश-सेवा की यह भावना दृढ़ हो जाए तो भविष्य के लिए बहुत बड़ी तैयारी हो सकेगी। प्राचीनकाल में आश्रमों वेद-शास्त्रों के साथ-साथ अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा भी दी जाती थी। द्रोणाचार्य ने कौरवों-पाण्डवों को सैनिक शिक्षा दी थी। सैनिक शिक्षा से शारीरिक शक्ति के साथ मानवीय गुणों का भी विकास होता है। सेवा, तत्परता, परिश्रमशीलता, निर्भयता आदि गुण इस शिक्षा से अपने आप आ जाते हैं। जीवन भी तो एक युद्धक्षेत्र ही है। इस क्षेत्र में लड़ने के लिए भी उपर्युक्त गुणों की आवश्यकता पड़ती है। हमारे देश की संस्कृति शांति प्रधान है, परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि हम अपनी शक्ति में वृद्धि न करें। आज सम्पूर्ण संसार सैनिक शिक्षा पर जो ध्यान दे रहा है उसे देखते हुए हमारे लिए भी इस ओर कदम बढाना आवश्यक हो जाता है।"

(अनिवार्य सैनिक शिक्षा)

5

राष्ट्र सुरक्षा हेतु सैनिक शिक्षा

हमें हमारे देश की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु शक्तिशाली सेना की आवश्यकता है। हमारे देश में प्राचीनकाल से सैनिक शिक्षा दी जा रही है जिससे शारीरिक व मानसिक गुणों तथा सेवा, निर्भयता आदि गुणों का विकास होता है। शांतिप्रिय होने के बावजूद वर्तमान में हमें सैनिक शिक्षा पर ध्यान देते हुए इसका प्रसार करना चाहिए।

→ अनेक वाक्यों को मिलाकर, एक वाक्य का निर्माण करें।

→ "वाक्यांश के लिए एक शब्द" का चयन करें।

→ भाषा शैली को और बेहतरीन बनाने का प्रयास करें।

अवतरण को पढ़कर उसका शीर्षक लिखें।

अंक-10

3. निम्नलिखित का भाव विस्तार कीजिए-

शीर्षक- स्वर्ग की गुलामी से नरक का स्वराज श्रेयस्कर माना गया है।

"स्वर्ग की गुलामी से नरक का स्वराज श्रेयस्कर माना गया है" ये पंक्तियाँ स्वराज के महत्व को प्रदर्शित करती है तथा यह स्वराज को श्रेयस्कर मानती है चाहे वह कितना ही कष्टदायक क्यों ना हो।

महात्मा गांधी ने स्वराज पर अत्यधिक बल दिया उन्होंने स्वराज हेतु अहिंसा के सिद्धांत का पालन किया। इसी प्रकार महाराणा प्रताप ने स्वराज की लड़ाई हेतु अपना सारा जीवन संघर्ष में यापन कर दिया। स्वराज एक श्रेष्ठ मूल्य है जो किसी भी प्रकार के बंधनों का विरोध करता है।

सन् 1857 की क्रांति व भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में लाखों लोगों ने स्वराज हेतु अपने प्राण न्योछावर किये हैं स्वराज सभी प्रकार की गुलामी से श्रेष्ठ है।

स्वराज को व्यापक अर्थ में लिया जाए तो स्वराज व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, नैतिक रूप से नियंत्रण हेतु भी उपयुक्त होता है सभी व्यक्तियों को दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हुए स्वयं पर नियंत्रण रखना चाहिए जिससे की समाज व राज्य में सामाजिक व्यवस्था व शांति बनी रहे।

शब्द सीमा पूरी करें।

भाव विस्तार को प्रभावी बनाओ

4. निम्नलिखित का भाव विस्तार कीजिए- अंक-10
शीर्षक- ज्ञान-विज्ञान से मनुष्य की अभिवृद्धि हो सकती है, विकास नहीं हो सकता।

4½

आदिकाल से वर्तमानकाल तक ज्ञान-विज्ञान के प्रसार से मनुष्य ने अभूतपूर्व यात्रा तय की है। ज्ञान-विज्ञान की बदौलत मनुष्य ने विभिन्न सुख-सुविधाओं तथा आर्थिक संपन्नता प्राप्त की है। ज्ञान-विज्ञान के प्रसार स्वरूप मनुष्य जो जंगल में जीवन यापन करता था आज शीशे के महलों में निवास कर रहा है।

यहाँ विकास से तात्पर्य पर्यावरणीय विकास से लिया गया है। विज्ञान से मनुष्य ने जो भी वृद्धि व विकास प्राप्त किया है वह पर्यावरण की बलि चढ़ाकर किया है। महात्मा गांधी के शब्दों में -

"प्रकृति हमारी सारी जरूरतों को पूरा कर सकती है, सिवाय हमारे स्वार्थ के।"

वर्तमान में पर्यावरण निम्नीकरण के फलस्वरूप विभिन्न समस्याओं जैसे जलवायु परिवर्तन, बाढ़, भूकंप, अनावृष्टि आदि घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

मनुष्य के वास्तविक विकास हेतु आवश्यक है कि हमें हमारे ज्ञान व विज्ञान का उपयोग मानव व

प्रकृति दोनों के विकास हेतु करना चाहिए जिससे सतत विकास की अवधारणा मजबूत हो तथा इस हमारे ज्ञान व विज्ञान का वास्तविक अर्थों में उपयोग कर पाएँ।

↳ उचित उदाहरणों की सहायता से मूल संकेत के आशय को स्पष्ट करें।

↳ अंत में मूल विचार का समापन वाक्य लिखें।

शब्द सीमा का विस्तार करें।
उदाहरणों का समावेश करें जिससे शब्द सीमा भी पूरी होगी और भाव विस्तार प्रभावी भी बनेगा।

5. निम्नांकित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए। अंक-10

Although art and morality have been integral parts of society, there has always been a difference of opinion on some issues or topics. Art has often adopted and reflected offbeat behavior and attitudes. In many cases this practice of art has proved to be revolutionary. On the contrary, morality has been more tradition-based. Morality has set standards of good behavior based on social likes and dislikes in almost all areas. As a result, we have to face ethical norms at many levels, such as political ethics, business ethics, cultural ethics etc. But most emphasis is given on sexual morality. Not only this, everyone in the society is expected to know, understand and follow these codes of ethics and acceptance and taboos very well.

5. 1/2

कला व नैतिकता के समाज के आंतरिक भाग होने के बावजूद कुछ मुद्दों पर इनमें असहमति रहती है। कला व्यक्ति के व्यवहार व व्यक्तित्व से गहरा व परिलक्षित होती है। कई बार कला का यह प्रयोग क्रांतिकारी साबित हुआ है जबकि इसके विपरीत नैतिकता परम्पराओं पर आधारित होती है। नैतिकता ने समाज में सभी जगह अच्छे व्यवहार के उचित-अनुचित होने के मापदण्ड निर्धारित किये है। परिणामतः हमें कई नैतिक नियम देखने को मिलते है जैसे राजनीतिक नैतिकता, कलात्मक नैतिकता, सांस्कृतिक नैतिकता आदि परन्तु सर्वाधिक जोर सेक्सुअल नैतिकता पर दिया जाता है जो समाज के सभी लोगों द्वारा जानना, समझना चाहिए तथा नैतिकता के नियमों व प्रथा की स्वीकृति होनी चाहिए।

↳ अच्छी भाषा शैली का प्रयोग करें।

↳ Sentence को सही समझकर आशय स्पष्ट करें।

लाईन-टू-लाईन अनुवाद करें।

निम्नांकित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए। अंक-10

6. Science and art are fundamentally two mediums of knowledge, but in the present world they have developed as two subjects of study and thus their relative importance has decreased. At the level of thinking, science and art complement each other and it seems that it is impossible to expand the influence of one without the other. But, at the practical level, some fundamental differences between the two subjects are also visible. Art is subjective whereas science is mainly dependent on interest. Science works on the basis of collection of facts, its integration and finally general conclusions. That is, it is necessary to have cause and effect. On the other hand, art is based on imagination, feelings and emotions. Therefore, it is definitely necessary to find the solution to the given question.

मौलिक रूप से,

विज्ञान व कला (सिद्धांत: ज्ञान) के दो माध्यम है परन्तु वर्तमान में विश्व में इनें दो अध्ययन के विषयों के रूप में विकसित किया जा चुका है जिसके कारण दोनों की महत्ता परस्पर कम हुई है। सैद्धांतिक रूप में विज्ञान व कला दोनों पूरक है तथा दोनों को एक-दूसरे के प्रभाव से अलग करना असंभव है। परन्तु व्यवहारिक स्तर पर दोनों विषयों में मूलभूत अंतर विद्यमान है। कला वस्तुनिष्ठ है वहीं विज्ञान मुख्यत: रुचि पर आधारित है। विज्ञान आंकड़ों के संग्रहण, एकत्रण व सामान्य निष्कर्ष पर काम करती है इसके लिए कारण व प्रभाव होना आवश्यक है। वहीं दूसरी तरफ कला कल्पनाओं, इच्छाओं पर आधारित होती है अतएव उपर्युक्त प्रश्न का जवाब पता करना अनिवार्य है।

→ अच्छी भाषा शैली व उपयुक्त शब्दों का प्रयोग करें।

7. नगरीय विकास एवं स्वाय्त्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा स्वायत शासन विभाग में कार्यरत समस्त सेवानिवृत अधिकारियों/कर्मचारियों की सेवायें तुरन्त प्रभाव से समाप्त किये जाने के बावत कार्यालयी आदेश जारी किये जाने के लिए कार्यालयी आदेश का प्रारूप लिखिए। अंक-10

राजस्थान सरकार
नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग
जयपुर, राजस्थान

प.क्र.- प. 4(1)/नविशाावि/सेवानि./2024/01 जयपुर, दिनांक- 13.05.2024

कार्यालयी आदेश

स्वायत शासन, के विभाग में कार्यरत समस्त सेवानिवृत अधिकारियों/कर्मचारियों की सेवायें दिनांक 01.06.2024 से तुरंत प्रभाव से समाप्त की जाती है।

4½

अबस
(अबस)
नगरीय आयुक्त

प.क्र.- प. 4(1)/नविशाावि/सेवानि./2024/1-3 जयपुर, दिनांक- 13.05.2024

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है-

1. निदेशक, स्वायत शासन विभाग, जयपुर।
2. समस्त अधिशाषी अधिकारी, स्वायत शासन विभाग।
3. रक्षित पत्रावली।

अबस
(अबस)
नगरीय आयुक्त

→ पत्र लेखन 2 या 3 भागो मे लिखने का प्रयास करें।

→ विषय वस्तु को विस्तारपूर्वक प्रकट करें।

प्रारूप का अभ्यास करें!

8. माननीय कलेक्टर महोदय, जिला-बाड़मेर की ओर से कलेक्टर कार्यालय में इलेक्ट्रोनिक सामग्री के आपूर्ति बावत निविदा का प्रारूप तैयार कीजिए। अंक-10

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलेक्टर, बाड़मेर जिला - बाड़मेर

पं.क्र. प 5(1)/ निविदा/2024/01 बाड़मेर, दिनांक: 01 मई, 2024

5

निविदा सूचना संख्या 05/2024

कार्यालय जिला कलेक्टर बाड़मेर की ओर से कार्यालय में इलेक्ट्रोनिक सामग्री की आपूर्ति बावत राजस्थान में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों से मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 10 मई, 2024 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त की जा सकेगी तथा वांछित सूचनाओं सहित भरकर ऑनलाइन दिनांक 20 मई, 2024 तक जमा की जा सकेगी। निविदा उपस्थित संवेदकों के समक्ष दिनांक 20 मई, 2024 को सांय 6 बजे डिजिटल हस्ताक्षर सहित खोली जाएगी।

इलेक्ट्रोनिक सामग्री का विवरण निम्न है:-

क्र.सं.	विवरण	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	आपूर्ति दिनांक
1.	कम्प्यूटर	50,000/-	1000/-	10.06.2024
2.	प्रिंटर	20,000/-	400/-	10.06.2024

निविदा हेतु शर्तें :-

+ अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निविदा में कभी भी संशोधन या निविदा वापस ली जा सकती है

+ किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायालय का क्षेत्र बाड़मेर होगा।

+ ऑनलाइन निविदा ही स्वीकार की जावेगी।

+ निविदा की विस्तृत शर्तें SPPP पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी।

→ साक्षी को और उचित ढंग से बनाए

→ अच्छे एवं सार्थक शब्दों का चयन करें

हस्ताक्षर
(जिला कलेक्टर)
बाड़मेर

निविदा के प्रारूप का अभ्यास करें।

भाग-स

अंक-20

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए-
1. ई-शासन भ्रष्टाचार का शंत्रु है।
2. वैश्वीकरण बनाम संरक्षणवाद

वैश्वीकरण बनाम संरक्षणवाद

"विश्व एक गाँव" व "Make America Great again" दोनों पंक्तियाँ क्रमशः वैश्वीकरण व संरक्षणवाद को संबोधित करती है। वैश्वीकरण से तात्पर्य विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का अंतःनिर्भर हो जाने से है जबकि संरक्षणवाद वैश्वीकरण की विपरीत अवधारणा है जिसमें किसी देश द्वारा बाहरी वस्तुओं व सेवाओं का विरोध व स्थानीय वस्तुओं व सेवाओं को प्रोत्साहित किया जाता है।

12

वैश्वीकरण की संकल्पना मुख्यतः 1990 के बाद बलवती हुई। आर्थिक प्रतिबंधों के शिथलन के परिणामस्वरूप उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया गया। वैश्वीकरण के फलस्वरूप विभिन्न देशों के मध्य विदेशी व्यापार में वृद्धि हुई तथा वैश्विक निर्भरता बढ़ी। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ वैश्वीकरण का सर्वोत्तम उदाहरण है। वैश्वीकरण के निम्न लाभ हुए जैसे विभिन्न देशों के मध्य सुदृढ़

संसाधन, विदेशी मुद्रा प्रसार, घाटे के नुकसान की भरपाई, उपभोक्ताओं को कम मूल्यों पर गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं उपलब्ध हुई किन्तु लाभों के अतिरिक्त वैश्वीकरण के अनेक नुकसान भी हुए जैसे कुटीर उद्योगों का नष्ट होना, स्थानीय उत्पादकों को नुकसान, वित्त का बहिर्गमन आदि जिसके फलस्वरूप संरक्षणवाद की भावना बलवती हुई।

संरक्षणवाद के अंतर्गत किसी देश द्वारा विदेशी वस्तुओं के आयात पर भारी शुल्क लगाया जाता है जैसे वर्तमान में अमेरिका व चीन के मध्य trade war संरक्षणवाद का ही उदाहरण है। संरक्षणवाद के लाभों में स्थानीय उत्पादकों व कुटीर उद्योगों को फायदा, निर्यात वृद्धि में सहायक, वित्त के बहिर्गमन पर रोक परन्तु संरक्षणवाद की अनेक हानियाँ भी है जैसे उपभोक्ताओं को विकल्पों की सीमित उपलब्धता व उच्च मूल्य, तकनीक का अभाव, सामुदायिक क्षेत्र पर अधिक निर्भरता आदि।

वैश्वीकरण व संरक्षणवाद के लाभ व हानियों को देखते हुए किसी देश को दोनों का मिश्रित मॉडल अपनाना चाहिए ताकि स्थानीय उत्पादकों, कुटीर उद्योगों

की रक्षा के साथ ही अधीनता के हितों की रक्षा भी सुनिश्चित हो सके। वर्तमान में भारत द्वारा दोनों में समन्वय अपनाते हुए विदेश व्यापार नीति का क्रियान्वयन किया जा रहा है जैसे बैंक, बीमा, खुदरा वस्तुओं में FDI की अनुमति है वहीं इलेक्ट्रॉनिक कार उत्पादकों में स्थानीय प्रोत्साहन हेतु आयात शुल्क 60-100% रखा गया है। अतः किसी भी देश को अपनी जरूरतों के अनुसार वैश्वीकरण व संरक्षणवाद की नीतियों में सामंजस्य बैठाते हुए उपयोग करना चाहिए।

→ प्रत्येक बिन्दु को सुव्यवस्थित ढंग से लिखें।

→ अच्छी भाषा-शैली का उपयोग करें।

→ उचित उदाहरणों व Quotation को सम्मिलित करें।

शब्द सीमा का विस्तार करें।